University of Kalyani

Department of Hindi

U.G. (Hindi) Proposed Syllabus

NEP- 2020

SEMESTER I							
Semester	Course Type	Paper Code	Course Name	Credit	Evaluation Pattern Marks		
					Theory	IA	Total
First	Major (T)	HIN-M-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : (आदिकाल से रीतिकाल तक)	06	60	15	75
First	Minor (T)	HIN-MI-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास :(आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	40	10	50
First	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-1	हिन्दी व्याकरण	03	35	10	45
First	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-1	विज्ञापन और हिन्दी	03	35	10	45
First	Value Added Course	HIN-VA-T-1	Environmental Education	04	40	10	50
			Total	**20**	**210**	**55**	**265**
SEMESTER II							
Second	Major	HIN-M-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	06	60	15	75
Second	Minor	HIN-MI-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास :(आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	40	10	50
Second	Multidisciplinary	HIN-MU-T-2	हिन्दी भाषा और लिपि	03	35	10	45

	Course						
Second	Ability Enhancement Course	AECC-1	Communicative English	04	40	10	50
Second	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-2	प्रयोजनमूलक हिन्दी	03	35	10	45
Second	Summer Course	HIN-SI-T-1	Summer Internship	04			
			Total	**20**	**210**	**55**	**265**

SEMESTER III							
Semester	**Course Type**	**Paper Code**	**Course Name**	**Credit**	**Evaluation Pattern Marks**		
					Theory	**IA**	**Total**
Third	Major(T)	HIN-M-T-3	मध्यकालीन काव्य	06	60	15	75
Third	Minor (T)	HIN-MI-T-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल	04	40	10	50
Third	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-3	हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय	03	35	10	45
Third	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-3	अनुवाद विज्ञान	03	35	10	45
Third	Value	HIN-VA-T-3	हिंदी साहित्य, संस्कृति और बंगाल	04	40	10	50

	Added Course						
			Total	**20**	**210**	**55**	**265**
SEMESTER IV							
Fourth	Major	HIN-M-T-4(A)	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	06	60	15	75
Fourth	Major	HIN-M-T-4 (B)	हिंदी कहानी	06	60	15	75
Fourth	Minor	HIN-MI-T-4	हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल	04	40	10	50
Fourth	Ability Enhancement Course	AECC-4	आधुनिक हिंदी साहित्य	04	40	10	50
Fourth	Summer Course	HIN-SI-T-4	Summer Course	04			
			Total	**20**	**200**	**50**	**250**

SEMESTER V							
Semester	**Course Type**	**Paper Code**	**Course Name**	**Credit**	**Evaluation Pattern Marks**		
					Theory	**IA**	**Total**
Five	Major(T)	HIN-M-T-5-(A)	नाटक और रंगमंच	06	60	15	75
Five	Major(T)	HIN-M-T-5-(B)	हिन्दी निबंध	06	60	15	75
Five	Minor (T)	HIN-MI-T-5	हिन्दी कविता	04	40	10	50
			Total	**16**	**160**	**40**	**200**
SEMESTER VI							
Six	Major	HIN-M-T-6-(A)	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	06	60	15	75
Six	Major	HIN-M-T-6-(B)	हिन्दी उपन्यास	06	60	15	75
Six	Major	HIN-M-T-6-(C)	हिन्दी पत्रकारिता	06	60	15	75
			Total	**18**	**180**	**45**	**225**

SEMESTER VII							
Semester	**Course Type**	**Paper Code**	**Course Name**	**Credit**	**Evaluation Pattern Marks**		
					Theory	**IA**	**Total**
Seven	Major(T)	HIN-M-T-7-(A)	भारतीय काव्यशास्त्र	06	60	15	75
Seven	Major(T)	HIN-M-T-7-(B)	हिन्दी आलोचना	06	60	15	75
Seven	Major(T)	HIN-M-T-7-(C)	भाषा विज्ञान	06	60	15	75
Seven	Minor (T)	HIN-MI-T-7	हिन्दी गद्य साहित्य	04	40	10	50
			Total	**22**	**220**	**55**	**275**
SEMESTER VIII							
Eight	Major	HIN-M-T-8-(A)	शोध प्रविधि	04	40	10	50
Eight	Major	HIN-M-T-8-(B)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	40	10	50
Eight	Major	HIN-M-T-8-(C)		04	40	10	50
		HIN-M-T-8-(C.1)	दलित विमर्श				
		HIN-M-T-8-(C.2)	स्त्री विमर्श				
		HIN-M-T-8-(C.3)	आदिवासी विमर्श				
		HIN-M-T-8-(C.4)	प्रवासी साहित्य				
		HIN-M-T-8-(C.5)	किन्नरविमर्श				
Eight	Major	HIN-M-T-8-(D)	भारतीय साहित्य	06	60	15	75
Eight	Major	HIN-M-T-8-(E)		06	60	15	75
		HIN-M-T-8-(E.1)	लोक साहित्य और संस्कृति				
		HIN-M-T-8-(E.2)	हिन्दी साहित्य और सिनेमा				
		HIN-M-T-8-(E.3)	पर्यावरण और साहित्य				
			Total	**24**	**240**	**60**	**300**

Semester-I

Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-1:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) 6 Credit

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : प्रवृत्तियाँ।
- रीतीतर काव्य : सामान्य परिचय।

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरबंस मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code HIN-MI-T-1: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 4 Credit

(40+10=50) Marks

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासोएवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : स्वयंभू, सरहपा, गोरखनाथ,चंदबरदाई, अमीर खुसरो एवं विद्यापति।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : कबीर,जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रहीम एवं रसखान।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्तकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : केशव, बिहारी,घनानंद, भूषण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा

23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरवंश मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code: HIN-MU-T-1:हिन्दी व्याकरण **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श,अन्तस्थ, उष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष।
- शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- रूप रचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
- वाक्य रचना : सरल वाक्य, मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य।
- शब्दस्रोत : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज।
- विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द।
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
2. हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
3. सुबोध हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
4. सरल हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
5. हिन्दी व्याकरण मीमांसा- काशीराम शर्मा
6. मानक हिन्दी का व्यावहारपरक व्याकरण- रमेशचंद्रमहरोत्रा
7. नवशती हिन्दी व्याकरड़- बद्रीनाथ कपूर

Paper Code: HIN-SEC-P-1: विज्ञापन और हिन्दी **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- विज्ञापन : परिभाषा एवं स्वरूप
- विज्ञापन : वर्गीकरण एवं उद्देश्य
- हिन्दी जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन का इतिहास
- विज्ञापन एजेंसियां और उद्योग : अंतर्संबंध
- विज्ञापन भाषा और हिन्दी
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम।
- विज्ञापन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. विज्ञापन: भाषा संरचना - रेखा सेठी
2. मीडिया लेखन - डॉ. यू. सी. गुप्ता
3. मीडिया लेखन और संपादन कला- गोविंद प्रसाद
4. मीडिया लेखन कला – सूर्य प्रकाश दीक्षित
5. जन संपर्क, स्वरूप और सिद्धान्त- डॉ. राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी विज्ञापन : संरचना और प्रभाव – सुमित मोहन
7. आज का मीडिया – सं. शंभुनाथ
8. आधुनिक विज्ञापन –प्रेमचंद्रपातंजलि
9. मीडिया और लोकतंत्र – रवीन्द्रनाथ मिश्र
10. मीडिया लेखन – सुमित मोहन
11. समाचार पत्रों की भाषा – माणिक मृगेश
12. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैणा
13. विज्ञापन डॉट कॉम – डॉ. रेखा सेठी
14. विज्ञापन कला – मधु धवन
15. मास मीडिया और समाज – मनोहर श्याम जोशी

Semester-II

Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-2:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी नवजागरण। आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दीगद्य : उद्भव और विकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान

11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: HIN-MI-T-2: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 4 Credit

(40+10=50) Marks

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासोएवं लौकिक साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : स्वयंभू, सरहपा, गोरखनाथ,चंदबरदाई, अमीर खुसरो एवं विद्यापति।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : कबीर,जायसी, सूर, तुलसी, मीरा, रहीम एवं रसखान।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : प्रवृत्तियाँ।
- प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय : केशव, बिहारी,घनानंद, भूषण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिनविलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरवंश मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code: HIN-MU-T-2:हिन्दी भाषा और लिपि **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- हिन्दी भाषा का इतिहास।
- खड़ी बोली हिन्दी का उद्भव और विकास।

- हिन्दी की बोलियाँ : सामान्य परिचय।
- हिन्दी-उर्दू रूपों का संबंध।
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि का विकास।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
- वर्तनी का मानकीकरण।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी
3. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप : हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : उदय नारायण तिवारी
6. हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
7. हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
10. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
11. नागरी लिपि – डॉ. बृजमोहन
12. हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण –त्रिभुवननाथ शुक्ल
13. हिन्दी कैसे बने विश्व भाषा – डॉ. वेदप्रताप वैदिक
14. मानक हिन्दी –ब्रजमोहन
15. हिन्दी की प्रकृति और शुद्ध प्रयोग –ब्रजमोहन
16. राजभाषा हिन्दी –कैलाशचन्द्र भाटिया
17. राजभाषा की प्रवृत्तियाँ – माणिक मृगेश

18. मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण – रमेश मेहरोत्रा

Paper Code: HIN-SEC-P-2: प्रयोजनमूलक हिन्दी **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ और स्वरूप।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप।
- हिन्दी की प्रयोजनमूलकप्रयुक्तियाँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की सीमाएँ एवं संभावनाएँ।
- सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, टिप्पण तथा आलेखन।
- पारिभाषिक शब्दावली।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग- दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी- कैलाशचन्द्र भाटिया
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
7. व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार- दंगल झाल्टे
8. टिपण्णीप्रारूप–शिवनारायण चतुर्वेदी
9. संघीय राजभाषा के सन्दर्भ में पारिभाषिक वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ – बलराज सिंह सरोही
10. प्रशासनिक हिन्दी : प्रयोग और संभावनाएँ – डॉ. पी.पी. आंडाल
11. प्रशासनिक हिन्दी ऐतिहासिक सन्दर्भ – डॉ. महेशचंद्र गुप्त

12. व्यावसायिक हिन्दी – राजेन्द्र कुमार पांडेय
13. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ. प्रेमचंद्रपातंजलि
14. व्यावसायिक हिन्दी – प्रो. रहमतुल्लाह
15. व्यावहारिक हिन्दी और रचना – डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी
16. बोलचाल की हिन्दी और संचार – डॉ. मधु धवन
17. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
18. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव

Semester-III

Detailed syllabus

Paper Code:HIN-M-T-3; मध्यकालीन काव्य **Credit 6**

(60+15= 75 marks)

इकाईI - कबीरदास

कबीर(संपादक – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

पद संख्या – 1,134,156,160,163,168,187,200,201,247

इकाई II - जायसी

मानसरोदक खंड – जायसी ग्रंथावली, (सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

इकाई III - तुलसीदास

रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड- चित्रकूट प्रसंग(गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर)

दोहा संख्या – 145,146,147,149, 150,166,167,168, 171, 172, 173, 268, 269, 306, 315,

इकाई IV - सूरदास

भ्रमरगीतसार (संपादक –आचार्यरामचंद्र शुक्ल)

आरंभिक दस पद

इकाई V - बिहारी

बिहारीरत्नाकर– श्री जगन्नाथदास'रत्नाकर'

आरंभिक 15 दोहे

इकाईVI - घनानन्द

घनानंद कवित्त–सं.आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पद संख्या – 1, 2, 4, 8, 10, 13, 15, 33, 39, 40

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

व्याख्या (4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

2.कबीर-विजयेंद्र स्नातक

3.अकथ कहानी प्रेम की - पुरुषोत्तम अग्रवाल

4.जायसी ग्रंथावली - रामचंद्र शुद्ध

5.जायसी -विजयदेव नारायण साही

6.सूरदास - रामचंद्र शुक्ल

7.त्रिवेणी- रामचंद्र शुक्ल

8.भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पाण्डेय

9.लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी

10.तुलसी काव्य-मीमांसा उदयभानु सिंह

11.भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य- शिवकुमार मिश्र

12.बिहारी- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

13.बिहारी का नया मूल्यांकन- बच्चन सिंह

14.बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

15.घनानंद- लल्लन राय

16घनानंद का काव्य- रामदेव शुक्ल

17.घनानंद ग्रंथावली- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Paper Code:HIN-MI-T-3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल 4 Credit

(40+10=50 Marks)

- हिन्दी नवजागरण, आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ औरप्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : साहित्यिक प्रवृत्तियाँ औरप्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भवऔरविकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी

16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code : HIN-MU-T-3 : हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय **Credit 3**

(35+10=45 Marks)

- **नाटक**
  अंधेर नगरी -भारतेन्दु हरिश्चंद्र

- **कविता**
  नर हो न निराश करो मन को -मैथिली शरण गुप्त
  पुष्प की अभिलाषा -माखनलाल चतुर्वेदी

- **कहानी**
  बूढ़ी काकी -प्रेमचंद
  वापसी -उषा प्रियंवदा

अंक विभाजन

MCQ Type Questions :35 Questions (1 marks each)

सहायकग्रन्थसूची:

1.मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन– डॉ नगेंद्र
2.भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
3.हिन्दी नाटक:मिथक और यथार्थ– रमेश गौतम
4.भारतेंदु की रंग कल्पना–सत्येंन्द्र तनेजा
5.हिन्दी नाटक का आत्म-संघर्ष– गिरिश रस्तोगी
6.आधुनिक कवि– विश्वंभर'मानव', रामकिशोर शर्मा
7.स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कविता–डॉ जे. आत्माराम
8.हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश
9.हिन्दी कहानी:उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
10.प्रेमचंद और उनका युग– डॉ रामविलास शर्मा

Paper Code :HIN-SEC-P-3 :अनुवाद विज्ञान **Credit : 3**

(35+10=45 Marks)

- अनुवाद :परिभाषा और प्रकार
- अनुवाद की समस्याएं और अनुवाद की उपयोगिताएं
- हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X01=05

अनुवाद : हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.अनुवाद विज्ञान-राजमणि शर्मा

2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

3. अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

4. हिंदी में व्यवहारिक अनुवाद - डॉ. आलोक कुमार

5. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं -रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

6. अनुवाद से संवाद- ओमप्रकाश सिन्हा

7. सिद्धांत और रूपरेखा- सुरेश कुमार

8. अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएं-भोलानाथ तिवारी और ओमप्रकाश सिन्हा

Paper Code :HIN-VA-T-3 : हिंदी साहित्य, संस्कृति और बंगाल **Credit 4**

(40+10=50 Marks)

- हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के विकास में बंगाल का योगदान- फोर्टविलियम कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय और विश्वभारती का योगदान।
- हिंदी लोक-संस्कृति और बंगाल - छठपूजा, दीपावली, होली आदि त्योहार,लोकगीत।
- हिंदी पत्रकारिता और बंगाल।
- हिंदी रंगमंच और बंगाल- इप्टा, रंगकर्मी, नाट्यशोध संस्थान एवं विभिन्न नाट्य मंडली।

अंक विभाजन

MCQ Type Questions : 40 Questions (1 marks each)

सहायकग्रन्थसूची:

1.बांग्ला साहित्य का इतिहास –डॉ गोरखनाथ मिश्र

2.बँगला(भाषा और साहित्य) पर हिन्दी(भाषा और साहित्य) का प्रभाव –डॉ ब्रह्मानन्द

3.बाङ्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन(अनु. निर्मलाजैन)

4.बांग्ला नाट्य कोश– संध्या डे

5.पत्रकारिता सिद्धांत और कला-विश्वनाथ सिंह

6.पत्रकारिता संदर्भ कोश- सूर्यप्रसाद दीक्षित

7.पत्रकारिता के विविध आयाम-रामचंद्र तिवारी

8.हिन्दी पत्रकारिता:विविध आयाम- वेद प्रताप वैदिक

9.हिन्दी पत्रकारिता:विविध आयाम- सुशीला जोशी

10.हिन्दी पत्रकारिता:स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

11.राष्ट्रीय नवजागरण:हिन्दी पत्रकारिता- मीरा रानी बल

Semester-IV

Detailed Syllabus

Paper Code :HIN-M-T-4(A) : आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) Credit : 6

(60+15=75 Marks)

- भारतेन्दुहरिश्चंद्र - मुकरियाँ

  (क) मुंह जब लागै तब नहीं छुटै
  (ख) भीतर भीतर सब रस चूसै
  (ग) धन लेकर कछु काम न आव
  (घ) तीन बुलावे तेरह आवै
  (ङ) सुंदर वाणी कही समुझाए
  (च) निज भाषा उन्नति अहै

- मैथिलीशरण गुप्त- राहुलजननी (यशोधरा)
- जयशंकर प्रसाद- प्रलय की छाया (लहर), ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरी वरुणा की शांत कछार।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- जूहीकी कली, तोड़ती पत्थर, बादलराग (भाग- .6)
- सुमित्रानंदन पंत- भारतमाता, मौन निमंत्रण, परिवर्तन।
- महादेवीवर्मा- पंथ रहने दो अपरिचित, मैं नीर भरी दुख की बदरी, विरह का जलजात जीवन।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

व्याख्या (4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रन्थसूची:

1.निरालाःकवि छवि-नंदकिशोर नवल

2.प्रसाद का काव्य–प्रेमशंकर

3.छायावाद- नामवर सिंह

4.निराला का अलछित अर्थ गौरव-पांडेय शशिभूषण शितांशु

5.महादेवी वर्मा-परमानंद श्रीवास्तव

6.महादेवी वर्माःनया मूल्यांकन -गणपतिचंद्र गुप्त

7.निराला से रघुवीर सहाय तक- कृष्णरायन कक्कड़

8.निराला: आत्महन्ता आस्था -दूध नाथ सिंह

9.निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा

10.महादेवी वर्मा –इंद्रनाथमदान

11.सुमित्रानंदन पंत नगेन्द्र

12.पंत जीवन और साहित्य- शान्ति जोशी

13.प्रसाद, निराला, अज्ञेय-रामस्वरूप चतुर्वेदी

14.आधुनिक साहित्य कीप्रवृत्तियाँ– नामवरसिंह

15.आधुनिक हिंदी कविता युगीन संदर्भ – अरुणहोता

16.मैथिलीशरण गुप्त:पुन र्मूल्यांकन– डॉ नगेंद्र

17.मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अन्त: सूत्र –कृष्णदत्त पालीवाल

Paper Code : HIN-M-T-4(B) : हिंदी कहानी Credit : 6

(60+15=75 Marks)

- हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
- प्रमुख कहानियां :

1. एक टोकरी भर मिट्टी -माधवराव सप्रे

2. उसने कहा था -चंद्रधर शर्मा गुलेरी

3. कफन -प्रेमचंद

4. छोटा जादूगर -जयशंकर प्रसाद

5. परिंदे -निर्मल वर्मा

6. चीफ की दावत -भीष्म साहनी

7. वारेन हेस्टिंगस का सांड -उदय प्रकाश

8. सागर सीमांत -संजीव

9. ललमानियाँ -मैत्रेयीपुष्पा

10. भूख -चित्रामुद्गल

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

व्याख्या (4out of 6) : 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची:

1.हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

2.हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश

3.प्रेमचंद:विरासत का सवाल - शिव कुमार मिश्र

4.एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव

5.समकालीन कहानी की भूमिका-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

6.समकालीन कहानी की पहचान- नरेन्द्र मोहन

7.समकालीन सिद्धान्त और साहित्य-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय

8.आधुनिक हिन्दी कहानी - मोहन राकेश

9.कहानी:समकालीन चुनौतियाँ - शंभु गुप्त

10.कहानी परंपरा और प्रगति -खगेन्द्र ठाकुर

11.समकालीन हिन्दी कहानी बदलते जीवन सन्दर्भ - शैलजा

12.हिन्दी कहानी: परंपरा और प्रगति - डॉ. हरदयाल

Paper Code:HIN-MI-T-4 : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल 4 Credit

(40+10=50 Marks)

- हिन्दी नवजागरण, आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दुयुग :साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयीकविता: साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची :

19. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
20. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
21. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
23. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
24. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
25. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
26. छायावाद : नामवर सिंह
27. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
28. प्रगतिवाद : शिवदानसिंहचौहान
29. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
30. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
31. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
32. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
33. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
34. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
35. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ

36. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: AECC-4 : आधुनिक हिंदी साहित्य **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

इकाई -1 हिंदी कविता -

बीती विभावरी जागरी -जयशंकर प्रसाद
वर दे वीणा वादिनी वर दे -सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
अकाल और उसके बाद -नागार्जुन
हम पंछी उन्मुक्त गगन के -शिवमंगल सिंह' सुमन'

इकाई -2 हिंदी कहानी -

पूस की रात -प्रेमचंद
बर्डे -स्वयं प्रकाश

इकाई -3 हिंदी निबंध -
मित्रता -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है -भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई -4 पारिभाषिक शब्दावली :

1. Abandon (त्याग देना, छोड़ देना) 2. Ability (योग्यता) 3. Abnormal(असामान्य) 4. Abolish(समाप्त किया) 5. Absence (अनुपस्थित) 6. Absolute acceptance (पूर्णस्वीकृति) 7. Abstract (सार) 8. Academic Council (अकादमिक परीषद) 9. Accident (दुर्घटना) 10. Account (खाता) 11. Approval (अनुमोदन) 12. Assessment (मूल्यांकन) 13. Backlog (पिछला बकाया) 14. Balance (शेष, बाकी) 15. Ballot (मतपत्र) 16. Beneficiary (लाभार्थी) 17. Borrow (उधार लेना) 18. Calamity (आपदा) 19. Calculation (गणना) 20. Capable (समर्थ) 21. Certificate (प्रमाणपत्र) 22. Cititzenship (नागरिकता) 23. Co-education (सहशिक्षा) 24. Compulsion (बाध्यता) 25. Disagrrement (असहमत,मतभेद) 26. Discontent (असंतोष) 27. Disqualify (अयोग्य) 28. Dividind (लाभांश) 29. Economy (अर्थव्यवस्था) 30. Employment (रोजगार) 31.Fee (शुल्क) 32.

Financial assistance (वित्तीय सहायता) 33. Handover (सौंपना) 34. Leniency (नरमी, उदारता) 35.Premature (समयपूर्व)

अंक विभाजन

MCQ Type Questions : 40 Questions (1 marks each)

सहायक ग्रन्थ सूची:

1.प्रसाद, निराला, अज्ञेय-रामस्वरूप चतुर्वेदी

2.निराला से रघुवीर सहाय तक –कृष्णरायन कक्कड़

3.निराला: आत्महन्ता आस्था - दूध नाथ सिंह

4.प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर

5.नागार्जुन कीकविता – अजयतिवारी

6. नागार्जुन का रचना संसार – विजयबहादुर सिंह

7.हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय

8.हिंदी कहानी का विकास –मधुरेश

SEMESTER V

Paper Code: HIN- M-T-5-(A) नाटक और रंगमंच 6 Credit

(60+15=75 Marks)

I. हिन्दी नाटक रंगमंच का विकास
II. भारतेन्दु: अंधेरनगरी
III. जयशंकर प्रसाद: चन्द्रगुप्त
IV. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
V. स्वदेश दीपक: कोर्ट मार्शल
VI. असगर वजाहत: महाबली

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) : 2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
- हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ : हरिमोहन

- भारतेन्दु की रंगकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
- प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना : गोविंद चातक
- आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश : गोविंद चातक
- प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : धनंजय
- अन्धा युग एक सृजनात्मक उपलब्धि : सुरेश गौतम
- समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ. जयदेव तनेजा
- सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक : रमेश गौतम
- हिन्दी नाटक मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
- पारसी थियेटर : उद्भव और विकास : सोमनाथ गुप्त
- रंगमंच नया परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल
- हिन्दी रंगमच की लोकधारा : जावेद अख्तर खाँ
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी
- मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
- स्वातंत्र्योत्तर नाटक : मूल्य संक्रमण : ज्योतीश्वर मिश्र
- साठोत्तरी हिन्दी नाटक : के. वी. नारायण कुरूप
- भारतीय नाट्य परंपरा : नेमिचंद्र जैन

Paper Code: HIN- M-T-5-(B) हिन्दी निबंध **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. हिन्दी निबंध का विकास

II. भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?: भारतेन्दु

धर्म और समाज: चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

III. शिक्षा का नया आदर्श: प्रेमचंद

कविता की परख: आचार्य रामचंद्र शुक्ल

IV. आधुनिक लेखकों का उत्तरदायित्व: हजारीप्रसाद द्विवेदी

जमुना के तीरेतीरे -: विद्यनिवास मिश्र

V. क्रांतिकारी की कथा: हरिशंकर परसाई

मेरी स्वाधीनता सबकी स्वाधीनता :: अज्ञेय

VI. अतिथि: रामविलास शर्मा

लिखने के स्त्रोत: निर्मल वर्मा

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- हिन्दी के प्रमुख निबंधकार : डॉ. गणेशखरे
- हिन्दी निबंध और निबंधकार : डॉ. ठाकुरप्रसादसिंह
- हिन्दी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार : सुरेशकांत
- हिन्दी निबंध : उद्भव और विकास : डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
- निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : विजय बहादुर सिंह
- हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : बाबूराम
- हिन्दी साहित्य में निबंध और निबंधकार : गंगाप्रसाद गुप्त
- साहित्यिक निबंध : आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह
- लालित्य तत्त्व : हजारी प्रसाद द्विवेदी

Paper Code: HIN-MI-T-5 हिन्दी कविता 4 Credit

(40+10=50 Marks)

I. **कबीर:कबीर ग्रंथावली (संपादक- श्यामसुंदर दास)**

- गुरुदेव को अंग- सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार... (दोहा सं.-3)
- सुमिरण को अंग- भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुक्ख अपार... (दोहा सं.- 4)
- विरह को अंग- आइ न सकौ तुझ पै, सकूँ न तूझ बुझाइ... (दोहा सं.-10)
- परचा को अंग- पारब्रह्म के तेज का, कैसा है उनमान... (दोहा सं.-3)
- रस को अंग- हरि रस पीया जाँणिये, जे कबहूँ न जाइ खुमार... (दोहा सं.-4)

सूरदास :

- चरन-कमल बंदौं हरि-राइ।
- अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल।

II. बिहारी:

- मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
- तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
- कनक कनक तैं सौ गुनौ मादकता अधिकाइ।

- नहिं परागु नहिं मधुर मधु,नहिं बिकासु इहिं काल।
- बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।

घनानंद :

- अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
- तब तौ छबि पीवत जीवत हे,अब सोचन लोचन जात जरे।

III. प्रसाद:

- ले चल वहाँ भुलावा देकर
- अरी वरुणा की शांत कछार

निराला :

- भिक्षुक
- बांधो न नाव इस ठाँव, बंधु

IV. नागार्जुन:

- तीनों बंदर बापू के
- घिन तो नहीं आती है?

अज्ञेय :

- जो पुल बनाएँगे
- मैंने आहुति बनकर देखा

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
- कबीर मीमांसा : रघुवंश
- कबीर का रहस्यवाद : डॉ रामकुमार वर्मा
- सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय

- सूरदास: ब्रजेश्वर शर्मा
- महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी
- सूरदास : हरवंशलालशर्मा
- बिहारी का नवमूल्यांकन : डॉ बच्चन सिंह
- बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना : बच्चन सिंह
- घनानंद का श्रंगार काव्य : रामदेव शुक्ल
- हिन्दी का रीति साहित्य : डॉ भगीरथ मिश्र
- घनानंद और हिन्दी का स्वच्छंद काव्य : मोहन लाल ज्ञानी
- जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
- निराला की साहित्य साधना (खंड 1,2,3) : रामविलासशर्मा
- क्रांतिकारी कवि निराला : बच्चन सिंह
- निराला : आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह
- अज्ञेय : एक अध्ययन : भोलाभाई पटेल
- अज्ञेय : रमेशचंद्र शाह
- अज्ञेय : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
- नगार्जुन : सं. परमानंद श्रीवास्तव

SEMESTER VI

Paper Code: HIN- M-T-6-(A) छायावादोत्तर हिन्दी कविता 6 Credit

(60+15=75 Marks)

I. **अज्ञेय:** कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला

मुक्तिबोध मैं तुम लोगों से दूर ,गलती-भूल :

II. **नागार्जुन**: कालिदास, उनको प्रणाम

शमशेर: उषा! चुका भी हूँ मैं नहीं ,

III. **रघुवीर सहाय:** रामदास, हँसो-हँसो, जल्दी हँसो

धूमिल बीस साल बाद ,रोटी और संसद :

IV. **केदारनाथ सिंह**: सन् 47 को याद करते हुए, पानी की प्रार्थना

कुँवर नारायण: मेरा घनिष्ठ पड़ोसी ,भाषा की ध्वस्त पारिस्थितिकी में

V. **राजेश जोशी**: इत्यादि, बच्चे काम पर जा रहे हैं

अरुण कमल सबसे जरूरी सवाल ,धार :

VI. **अनामिका**: नमक, प्रेम के लिए फांसी (ऑनऑनरकिलिंग)

निर्मला पुतुल :उतनी दूर मत ब्याहना बाबा क्या तुम जानते हो ,!

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची

- अज्ञेय : एक अध्ययन : भोलाभाई पटेल
- अज्ञेय : रमेशचंद्र शाह
- अज्ञेय : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
- नगार्जुन : सं. परमानंद श्रीवास्तव
- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : हुकुमचंद राजपाल
- कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
- नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकांत वर्मा
- नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
- मुक्तिबोध साहित्य विवेक और उनकी कविता : लल्लनराय
- आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- समकालीन कविता का यथार्थ : परमानंद श्रीवास्तव
- समकालीनता और साहित्य : राजेश जोशी
- सुंदर का स्वप्न : अपूर्वानंद
- उत्तर छायावादी काव्यभाषा : हरिमोहन शर्मा
- समकालीन काव्य यात्रा : नंद किशोर नवल
- समकालीन कविता में घर की संकल्पना : विभा कुमारी
- समकालीन कविता का बीजगणित : कुमार कृष्ण
- समकालीन हिन्दी कविता : ए अरविन्दाक्षन
- कविता आज : ए अरविन्दाक्षन
- समकालीन कविता की भारतीयता : ए अरविन्दाक्षन

Paper Code: HIN- M-T-6-(B) **हिन्दी उपन्यास** **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. प्रेमचंद: कर्मभूमि
II. भीष्म साहनी: तमस
III. मन्नू भंडारी: आपका बंटी

IV. रणेन्द्र: ग्लोबल गाँव के देवता

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- उपन्यास की संरचना : गोपालराय
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपालराय
- हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
- उपन्यास और लोकजीवन : राल्फ़फ़ाक्स, अनु. नरोत्तमनागर,पी.पी.एच.
- हिन्दी उपन्यास शिल्प एवं प्रयोग : डॉ. त्रिभुवन सिंह
- हिन्दी उपन्यास : बदलते संदर्भ : डॉ. शशिभूषण सिंहल
- हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
- आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथमदान
- आज का हिन्दी
- उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य और ग्राम्य जीवन : डॉ. विवेकी राय
- हिन्दी उपन्यासों पर पाश्चात्य प्रभाव : भारत भूषण अग्रवाल
- उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेंद्र यादव
- हिन्दी उपन्यास (1950 केबाद) : सं. नित्यानंद तिवारी
- साठोत्तरी उपन्यास : पारूकांत देसाई
- साठोत्तरी उपन्यास विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा
- भीष्म साहनी के उपन्यास : संदर्भ मूल्यबोध : विभा कुमारी

Paper Code: HIN- M-T-6© हिन्दी पत्रकारिता **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. हिन्दी पत्रकारिता का सामान्य परिचय

II. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

III. द्विवेदी युगीन पत्रकारिता: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

IV. छायावाद युगीन: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

V. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

VI. समकालीन पत्रकारिता: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

VII. हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएं: उदंत मार्तण्ड, बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, हंस, विशाल भारत

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- पत्रकारिता सिद्धांत और कला : विश्वनाथ सिंह
- पत्रकारिता संदर्भ कोश : सूर्य प्रसाद दीक्षित
- पत्रकारिता के विविध आयाम : रामचंद्र तिवारी
- हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
- हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : सुशीला जोशी
- हिन्दी पत्रकारिता :स्वरूप और संदर्भ : विनोद गोदरे
- राष्ट्रीय नवजागरण : हिन्दी पत्रकारिता : मीरारानी बल
- समाचार फ़ीचर लेखन और संपादन कला : डॉ. हरिमोहन
- संपादन के सिद्धांत : रामचंद्र तिवारी
- समाचार संकलन और लेखन : नंदकिशोर त्रिखा
- भारतीय पत्रकारिता कोश (दोखंड) : विजयदत्त श्रीधर
- उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श : सुधीश पचौरी
- हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका : जगदीश्वर चतुर्वेदी
- हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र

SEMESTER VII

Paper Code: HIN-M-T-7-(A)भारतीय काव्यशास्त्र 6 Credit

(60+15=75 Marks)

I. काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन
II. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण ।
III. अलंकार सिद्धांत: परिचय एवं वर्गीकरण
IV. रीति सिद्धांत: परिचय एवं वर्गीकरण
V. वक्रोक्ति सिद्धांत: परिचय एवं वर्गीकरण
VI. ध्वनि सिद्धांत: परिचय एवं वर्गीकरण

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
- भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
- भारतीय काव्य तत्त्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
- भारतीय काव्य शास्त्र की नयी व्याख्या राममूर्ति त्रिपाठी
- काव्यशास्त्र : भगीरथमिश्र
- भारतीय काव्यशास्त्र : योगेंद्रप्रतापसिंह
- भारतीय काव्यशास्त्र : गोविन्दत्रिगुणायत
- भारतीय काव्यशास्त्र : सं. उदयभानुसिंह
- रससिद्धांत : डॉ. नगेंद्र
- रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र : निर्मलाजैन
- रसमीमांसा : रामचंद्रशुक्ल

Paper Code: HIN-M-T-7-(B) हिन्दी आलोचना 6 Credit

(60+15=75 Marks)

I. हिन्दी आलोचना: अवधारणा, स्वरूप और भेद

II. भारतेन्दुयुगीन आलोचना

III. द्विवेदीयुगीन आलोचना

IV. शुक्लयुगीन आलोचना

V. शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

VI. हिन्दी के प्रमुख आलोचक

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- नगेन्द्र
- रामविलास शर्मा
- नामवर सिंह

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
- हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली :अमरनाथ
- हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास :अमरनाथ
- हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
- आलोचना के बुनियादी सरोकार : कर्णसिंह चौहान
- रचना और आलोचना : देवीशंकरअवस्थी
- आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
- आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
- आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
- कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
- वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पांडेय
- आलोचना के आगे : सुधीश पचौरी
- हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
- नयी समीक्षा के प्रतिमान : सं. निर्मला जैन
- हिन्दी आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
- हिन्दी आलोचना : वैचारिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल

Paper Code: HIN-M-T-7-(C) **भाषा विज्ञान** **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. भाषा: परिभाषा, अंग और विशेषताएं
II. भाषा विज्ञान: परिभाषा, स्वरूप, अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ और ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
III. स्वनिम विज्ञान: स्वन, स्वनिम, संस्वन के भेद, स्वनिम के भेद
IV. रूपिम विज्ञान: शब्द और रूप, रूपिम का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, रूपिम के भेद
V. वाक्य विज्ञान: वाक्य की अवधारणा और वाक्य रचना के आवश्यक तत्व, परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य के भेद
VI. अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची

- हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
- भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र शर्मा
- आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : उदयनारायण तिवारी
- हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
- हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
- भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
- भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

Paper Code: HIN-MI-T-7 हिन्दी गद्य साहित्य 4 Credit

(40+10=50 Marks)

I. उपन्यास :
   - गबन- प्रेमचंद

II. कहानी:
   - उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
   - दो बैलों की कथा- प्रेमचंद
   - चीफ की दावत-भीष्म साहनी
   - टेपचू- उदय प्रकाश

III. नाटक:
   - अंधेर नगरी- भारतेन्दु

IV. अन्य गद्य विधाएं :
   - निबंध: भारत की सांस्कृतिक एकता – रामधारी सिंह दिनकर
   - रेखाचित्र: रजिया- रामवृक्ष बेनीपुरी
   - संस्मरण: दद्दा (मैथिलीशरण गुप्त)- महादेवी
   - यात्रा-वृत्तांत: बहता पानी निर्मला- अज्ञेय

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- कलमकासिपाही : अमृतराय
- उपन्यासकीसंरचना : गोपालराय
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपालराय
- हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
- उपन्यास और लोकजीवन : राल्फ़फ़ाक्स, अनु. नरोत्तमनागर,पी.पी.एच.
- प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलासशर्मा
- प्रेमचंद : डॉ. रामविलासशर्मा
- प्रेमचंद और जनवादी साहित्य की परंपरा : डॉ. कुंवरपालसिंह
- हिन्दीकहानी : उद्भवऔरविकास : सुरेशसिन्हा
- हिन्दीकहानीकाविकास : मधुरेश
- नयीकहानी : पुनर्विचार : मधुरेश
- कहानीनयीकहानी : नामवरसिंह
- नयीकहानीकीभूमिका : कमलेश्वर
- नयीकहानी : संदर्भऔरप्रकृति : देवीशंकरअवस्थी
- एकदुनियासमानान्तर : राजेंद्रयादव
- समकालीनहिन्दीकहानी : पुष्पपालसिंह
- समकालीनकहानीकेरचनात्मकआशय : यदुनाथसिंह
- हिन्दीकहानी : आठवॉदशक : सरबजीत
- हिन्दीगद्यकीविविधविधाएँ : हरिमोहन
- हिन्दीकीप्रमुखविधाएँ : वैजनाथसिंह
- साहित्यविधाओंकीप्रकृति : सं. देवीशंकरअवस्थी
- हिन्दीगद्यलेखनमेंव्यंग्यएवंविचार : सुरेशकांत
- महापंडितराहुल : समग्रमूल्यांकन : वीरेंद्रसिंह
- राहुलसांकृत्यायन : बदंतआनंदकौसल्यायन

SEMESTER VIII

Paper Code: HIN-M-T-8-(A)शोध प्रविधि 4 Credit

(40+10=50 Marks)

I. शोध : अभिप्राय, स्वरूप, प्रयोजन, शोध के तत्व, शोध के प्रकार

II. शोध की पद्धतियाँ: तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतर अनुशासनिक, भाषा वैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक

III. शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया: शोध-परिकल्पना, रूपरेखा एवं अध्यायीकरण, सामग्री एवं आंकड़ों का संकलन, संवर्गीकरण एवं विवेचन, टीप (नोट्स) लेना, साक्षात्कार एवं प्रश्नावली, अंतर्वस्तु विश्लेषण

IV. शोध प्रबंध-लेखन: विषय-सूची, संकेत-सूची, विषय प्रवेश, भूमिका एवं उपसंहार लेखन, अध्यायीकरण, उद्धरण-प्रस्तुति, संदर्भ लेखन, पाद टिप्पणी, संदर्भ- ग्रंथ सूची, नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची :

- अनुसंधान की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
- अनुसंधान पद्धति की विवेचना : डी. आर. भंडारी
- शोध प्रविधि : विनयमोहन शर्मा
- अनुसंधान की समस्याएँ : डॉ. ओम प्रकाश
- शोध और समीक्षा : डॉ. रामगोपाल शर्मा
- सामाजिक अनुसंधान : राम आहूजा
- अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह
- अनुसंधान का स्वरूप : डॉ. सावित्री सिन्हा
- अनुसंधान और आलोचना : डॉ. नगेन्द्र
- अनुसंधान के मूलतत्त्व : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
- अनुसंधान और आलोचना : डॉ. कन्हैयालालसहल
- हिन्दी अनुसंधान : वैज्ञानिक पद्धतियाँ : डॉ. कैलाशनाथ मिश्र

Paper Code: HIN-M-T-8-(B)पाश्चात्य काव्यशास्त्र **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

I. प्लेटो: काव्य सिद्धांत, काव्य सृजन की प्रक्रिया

अरस्तू विरेचन सिद्धांत ,त्रासदी विवेचन ,अनुकरण सिद्धांत :

II. वड्र्सवर्थ: काव्य भाषा सिद्धांत

कॉलरिज कल्पना सिद्धांत :

III. टी. एस. इलिएट: परंपरा की अवधारणा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

आई ,सम्प्रेषण सिद्धांत ,मूल्य सिद्धांत :रिचड्र्स .ए .काव्य भाषा सिद्धांत

IV. नई समीक्षा और उसकी प्रमुख विशेषताएं

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत : डॉ.कृष्णदेव शर्मा
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र :अधुनातम संदर्भ : डॉ. सत्यदेव मिश्र
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र सिद्धांत विवेचन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परंपरा : (सं.) सावित्री सिन्हा
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
- पाश्चात्य काव्य चिंतन : निर्मला जैन और कुसुम बॉठिया
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र : नगेंद्र और सावित्री सिन्हा
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन :(सं.) निर्मलाजैन
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र : भगीरथ मिश्र

Paper Code: HIN-M-T-8-(C.1)दलित विमर्श **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

I. दलित: अर्थ और अवधारणा, दलित साहित्य की अवधारणा, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, भारत में दलित आंदोलन, हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श

II. कविता:

- अछूत की शिकायत – हीरा डोम
- विद्रोहिणी–सुशीला टाकभौरे
- तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती- कंवल भारती
- अपराध बोध- श्योराज सिंह बेचैन
- चुनौती- सी.वी. भारती
- जनपथ–जय प्रकाश लीलवान
- ठाकुर का कुआँ- ओम प्रकाश वाल्मीकि
- सुनो ब्राह्मण –मलखान सिंह

- द्रोणाचार्य सुने –दयानंद बटोही
- आज का रैदास–जयप्रकाश कर्दम

III. **कहानी**:

- सलाम –ओमप्रकाश बाल्मीकि
- सिलिया–सुशीला टाकभौरे
- आवाजें –मोहनदास नैमिशराय
- परिवर्तन की बात –सूरजपाल चौहान
- ऩो बार –जयप्रकाश कर्दम
- अंगारा – कुसुम मेगवाल
- सुमंगली–कावेरी
- लटकी हुई शर्त –प्रह्लादचंद दास

IV. आत्मकथा:

- मुर्दहिया–तुलसीराम

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश बाल्मीकि
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
- दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार : रमणिका गुप्ता
- मराठी दलित साहित्य : आत्मकथा के मील स्तम्भ : गुलाबराब
- दलित साहित्य मूल्यांकन : डॉ. विजयपाल
- हिन्दी दलित साहित्य : मोहनदास नैमिशराय
- दलित साहित्य एक मूल्यांकन : प्रो. चमनलाल
- दलित कहानी संचयन : (सं.) रमणिका गुप्ता
- दलित निर्वाचित कविताएँ : (सं.) कंवल भारती

Paper Code: HIN-M-T-8-(C.2)स्त्री विमर्श **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

I. स्त्री विमर्श का अर्थ और स्वरूप, स्त्री विमर्श की परिभाषा एवं स्त्री संबंधी विचार, स्त्री विमर्श का उद्देश्य, स्त्री विमर्श संबंधी प्रमुख पारिभाषिक शब्द (लैंगिकता, पितृसत्ता, समानता, सशक्तिकरण, स्त्री भाषा), स्त्री मुक्ति आंदोलन का इतिहास

II. **कविता:**

- सीमा रेखा- कीर्ति चौधरी
- सात भाइयों के बीच चंपा- कात्यायनी
- अनुवाद - अनामिका
- मुझे इतनी दूर मत ब्याहना बाबा - निर्मला पुतुल
- कुसुम का सत्याग्रह – सविता सिंह
- मैं हूँ एक स्त्री –शुभा
- अंधेरे में बुद्ध – गगन गिल
- घर निकासी –नीलेश रघुवंशी
- कलम - पद्मा सचदेव
- रात- ज्योत्सना मिलन

III. **कहानी:**

- राही – सुभद्रा कुमारी चौहान
- यही सच है – मन्नू भंडारी
- खिड़की – ममता कालिया
- बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
- बानो–मंजुल भगत
- मेरे देश की मिट्टी: अहा –मृदुलागर्ग
- आदमकद–सूर्यबाला
- हिरनी–चंदकिरनसौनरिक्सा
- गुल्लू–मैत्रेयीपुष्पा
- बावजूद इसके – चित्रा मुद्गल

IV. **निबंध संग्रह:**

- शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायकग्रंथसूची

- नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी
- द सेकण्ड सेक्स : सीमोन द बोउवार
- स्त्री विमर्श की उत्तरगाथा : अनामिका
- स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधाकुमार
- उपनिवेश में स्त्री : प्रभा खेतान
- स्त्री मुक्ति का सपना (विशेषांक2004) :वसुधा
- स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी
- अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य : राजेन्द्र यादव
- औरत अस्तित्व और अस्मिता : अरविंद जैन
- शृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

Paper Code: HIN-M-T-8-(C.3)आदिवासी विमर्श **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

I. आदिवासी : अर्थ और अवधारणा, आदिवासी समाज के समक्ष चुनौतियाँ, आदिवासी साहित्य की वैचारिकी, आदिवासी साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ, आदिवासी आंदोलन का इतिहास

II. कविता:

- नगाड़े की तरह बजते शब्द- निर्मला पुतुल
- पुरखों का कहन- वंदना टेटे
- जंगल की आत्मकथा- पूनम वासम
- मैं गीत गाना चाहता हूँ- अनुजलुगुन
- जनहित में- जसिंताकेरकेट्टा
- मैं क्या हूँ!- आदिवासी विमर्श- शिवानी कार्की
- मैं कैसे मान लूँ कि तुम आदिवासी हो ?- एंजेलाए निमातिर्की
- सुबह के इंतजार में- हरिराम मीणा
- सरई के फूल- राही डूमरचीर

- हे समय के पहरेदारों!- ग्रेसकुजूर

III. कहानी:

- फिक्स्डडिपोजिड- रोज केरकेट्टा
- पूस की रात- गंगा सहाय मीणा
- वनकन्या- एलिस एक्का
- दाग- शिशिर टुडू
- जंगल ली ललकार- वाल्टर भेंगरा
- खरगोशों का कष्ट- राम दयाल मुंडा
- धोखा- मंगल सिंह मुंडा
- एक बित्ता जमीन- डॉ.कृष्णचंद टुडू
- जंगल का जादू तिल-तिल- प्रत्यक्षा
- छप्पन छुरी बहत्तर पेंच- रणेन्द्र

IV. उपन्यास:

- जंगल के गीत – पीटर पाल एक्का

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची :

- आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन संपादक : वंदना टेटे
- आदिवासी दर्शन कथाएँ : संपादक- वंदना टेटे
- आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : डॉ. रमणिका गुप्ता
- आदिवासी समाज और साहित्य : डॉ. रमणिका गुप्ता
- आदिवासी साहित्य विमर्शः चुनौतियाँ और संभावनाएँ : गंगा सहाय मीणा
- आदिवासी उपन्यासों का समाजशास्त्र : डॉराठोरपुंडलिक
- आदिवासी विकास एवं प्रयाएँ: प्रकाशचंद्रमेहता
- साहित्य के आईने में आदिवासी विमर्श : संपादक नियाज़ शगुफ्ता डॉ एम फ़ीरोज़ खान
- आदिवासी समाज एवं संस्कृति : डॉ शैलाचौहान कदम
- आदिवासी एवं उपेक्षित जन : डॉ. भीमराव पिंगले
- आदिवासी चिंतन की भूमिका : गंगा सहाय मीणा

Paper Code: HIN-M-T-8-(C.4)प्रवासी साहित्य **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

I. प्रवासी साहित्य: अर्थ और स्वरूप, प्रवासी साहित्य के प्रकार, प्रवासी हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास (कविता, कहानी और उपन्यास के विशेष संदर्भ में)

II. कविता:

- भूकंप- कविता वाचक्नवी
- हशिये पर- पूर्णिमा वर्मन
- संक्रमण: गुलमोहर के फूल- लावण्या शाह
- एक सुनहरी किरण उसे भी दे दो- कीर्ति चौधरी
- संवाद चलना चाहिए- अंजनासंधीर
- पसीने का इतिहास- पुष्पिताअवस्थी
- टेम्स का पानी- तेजेंद्र शर्मा
- माथे की शिकन- डॉ. पद्मेश गुप्त
- एक प्रवासी भारतीय की घर वापसी, छुट्टियों पर- अचला शर्मा
- बेटियों का गीत- अनिल जयविजय

III. कहानी:

- सुलगते सवाल-अरुणा सब्बरवाल
- कमरा न. 103-सुधा ओम ढींगरा
- अजेलिया के फूल-सुषम बेदी
- बेचारी इडियट- ज़ाकिया जुबेरी
- गवाही-दिव्या माथुर
- गोखरू-पुष्पिता अवस्थी
- प्रवास में-उषा राजे सक्सेना
- क्षतिपूर्ति-पुष्पा सक्सेना
- देह की कीमत-तेजेंद्र शर्मा
- गुलमोहर- जय वर्मा

IV. उपन्यास :

- लाल पसीना- अभिमन्यु अनत

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची

- प्रवासी साहित्य का इतिहास : सिद्धांत एवं विवेचन : डॉ. बाबुरावदेसाई
- फिजी में हिन्दी भाषा और संस्कृति : सुभाषिणी लता कुमारी
- भारतीय गिरमिटिया मजदूर और उनके वंशज : दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव
- प्रवासी भारतीयों में हिन्दी की कहानी : डॉ. सुरेन्द्र गंभीर
- मॉरीशस का हिन्दी साहित्य (मेरे आते-जाते पत्र) : राज हीरामण
- महात्मा गांधी और मौरिशिश पर उनका प्रभाव : प्रहलाद रामशरण
- उपन्यासकार अभिमन्यु अनंत : डॉ. श्री चित्र वी. एस.
- अभिमन्यु अनंत और रामदेव धुरंधर के उपन्यासों में प्रवासी गिरमिटिया मजदूरों की समस्या : डॉ. सिन्धुएस.एल.
- भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम : रामशरण जोशी, राजिव रंजन राय
- प्रवासी साहित्य : दशा एवं दिशा : प्रो. प्रदीप श्रीधर
- हिन्दी का प्रवासी साहित्य : कमल किशोर गोयनका
- प्रवासी साहित्य में भारतीय संस्कृति : डॉ. सुनील पाटिल
- भारतीय डायसपोरा : विविध आयाम : राम शरण जोशी, राजीव रंजन राय
- प्रवासी साहित्य : दशा और दिशा : प्रो. प्रदीप श्रीधर
- हिन्दी प्रवासी साहित्य : कमल किशोर गोयनका
- प्रवासी साहित्य में भारतीय संस्कृति : डॉ. सुनील पाटील
- भारतीय संस्कृति के उन्नयन में प्रवासी साहित्यकार : अमित कुमार और ज्योति कुशवाहा
- प्रवासी साहित्य : नयी जमीन नया आसमान : अनिल जोशी
- प्रवासी हिन्दी साहित्य : वैश्विक परिदृश्य : नवनीत कौर
- प्रवासी हिन्दी साहित्य : संतोष सिंह
- प्रवासी हिन्दी साहित्य और तेजेंद्र शर्मा : प्रदीप श्रीधर

Paper Code: HIN-M-T-8-(C.5)किन्नर विमर्श 4 Credit

(40+10=50 Marks)

I. किन्नर विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप। LGBTQ+ आशय एवं अवधारणा। सेक्स, जेंडर और सेक्सुअलिटी : अंतर्संबंध। किन्नर : पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ। किन्नरअस्मिता : आधुनिक सन्दर्भ और सामाजिक स्वीकार्यता का प्रश्न। वैश्विक परिदृश्य औरथर्ड जेंडर।

II. **उपन्यास** :

- यमदीप – नीरजा माधव
- देह कुठरिया – जया जादवानी

III. **कहानी** :

- बिन्दा महराज – शिवप्रसाद सिंह
- ख़लीक अहमद बुआ – राही मासूम रज़ा
- बीच के लोग – सलाम बिन रज़ाक
- ई मुर्दन का गाँव – कुसुम अंसल
- संझा – किरण सिंह
- हिजड़ा – कादंबरी मेहरा
- इज्ज़त के रहबर – डॉ. पद्मा शर्मा
- कौन तार से बीनी चदरिया – अंजना वर्मा
- कुकुजनैस्ट – कमल कुमार
- कबीरन - डॉ. सूरज बड़त्या

IV. आत्मकथा :

- मैं हिजड़ा... मैं लक्ष्मी! – लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

<u>अंक विभाजन</u>

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(05out of08) :05X2=10

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(2out of4) :2X5=10

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4) :2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची

- किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में - (सं.) डॉ. इकरार अहमद
- थर्ड जेंडर: कथा आलोचना- (सं.) एम. फीरोज़ खान
- थर्ड जेंडर : अतीत और वर्तमान - (सं.) एम. फीरोज़ खान
- किन्नर गाथा - शीला डागा
- लैंगिक विमर्श और यमदीप – हर्षिता द्विवेदी
- थर्ड जेंडर के संघर्ष का यथार्थ – (सं.) शुगुफ्तानियाज़,
- किन्नर विमर्श दशा और दिशा - विनय कुमार पाठक
- क्वीर विमर्श - के. वनजा
- भारतीय इतिहास में थर्ड जेंडर: नाज़िर (हिजड़ा) वर्ग - प्रो. एस. पी. व्यास
- हिन्दी कथा-साहित्य में ट्रांसजेंडर - डॉ. अभिषेक सिंह
- हिन्दी उपन्यासों के आईने में किन्नर विमर्श - (सं) डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह

- भारतीय साहित्य और समाज में तृतीय लिंगी विमर्श -(सं.) डॉ. विजेंद्र प्रतापसिंह, रवि कुमार गोंड

Paper Code: HIN-M-T-8-(D) **भारतीय साहित्य** **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. भारतीय साहित्य अवधारणा, स्वरूप, विकास, अध्ययन की आवश्यकता, भारतीय साहित्य का वैशिष्ट्य, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भाषिक स्थिति एवं प्रतिबिम्बत मूल्यों का विश्लेषण।

II. प्रमुख भारतीय साहित्यिक परम्पराएँ परिचय, आदान-प्रदान, परस्पर एकता के सूत्र, स्वत्त्व और सांस्कृतिक एकता, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

III. उपन्यास :

- 1084वें की माँ- महाश्वेता देवी

IV. कहानी :

- काबुलीवाला- रवींद्रनाथ ठाकुर (बंगला)
- टोबा टेक सिंह- सहादत हसन मंटो (उर्दू)
- एक अविस्मरणीय यात्रा- इंदिरा गोस्वामी (असमिया)
- बधेई– फकीर मोहन (उड़िया)
- दुविधा- विजयदान देथा (राजस्थानी)
- दीदी- एम. टी. वासुदेव नायर (मलयालम)
- अपना-अपना कर्ज़- अमृता प्रीतम(पंजाबी)
- लड़की जिसकी मैंने हत्या की- आनंद (कन्नड़)
- विद्रोह- बाबू राव बागुल (मराठी)
- पाँच पत्र- हरिमोहन झा (मैथली)

V. कविता:

- वर्षा की एक साँझ- जय गोस्वामी (बंगला)
- लिबास- अदिल रज़ा मंसूरी (उर्दू)
- उत्सव गान- जीवकान्त (मैथिली)
- बापू 5- ओम नागर (राजस्थानी)
- 18 जून (लोहिया को याद करते हुए)- मनोहर राय सरदेसाई (कोंकणी)
- एक समझौता हस्ताक्षरित हो रहा है- मु. मेथा (तमिल)
- हम लड़ेंगे- पाश (पंजाबी)
- प्रेम- अविनाश गायकवाड़ (मराठी)
- दूर रखो कलम- स्वप्नामिश्रा (उड़िया)
- जीने की वजह- सरूप ध्रुव (गुजराती)

VI. नाटक:

- हयवदन- गिरीश कर्नाड

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची

- समेकित भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र
- तुलनात्मक साहित्य : डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा
- तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ. इन्द्रनाथ चौधरी
- हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्धयन:डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य : डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य : डॉ. आर. आई. शान्ति
- भारतीय साहित्य की पहचान : सं. सियाराम तिवारी

पत्रिका

- वागर्थ– अंक 294-295, जनवरी- फरवरी 2020

Paper Code: HIN-M-T-8-(E.1)लोक साहित्य और संस्कृति **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

I. लोक और लोक साहित्य: अवधारणा, महत्व, परंपरा

II. लोक साहित्य के विविध रूप: लोकगीत, लोककथा, लोक नाट्य, लोकोक्ति और मुहावरे

III. लोक साहित्य: संकलन, सर्वेक्षण, संरक्षण

IV. मैथिली लोक साहित्य: लोक गीत, लोक कथाएं, लोक नाट्य

V. लोक साहित्यकारों का सामान्य परिचय:

- भिखारी ठाकुर (भोजपुरी)
- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' (बुन्देली)
- विजयदानदेथा (राजस्थानी)
- रमई काका (अवधी)
- हरिमोहनझा (मैथिली)
- लोक साहित्य: सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, भाषाशास्त्रीय महत्व

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20
लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20
आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची

- लोक का आलोक: सं. पीयूष दहिया
- मैथिली लोक साहित्य का अध्ययन: डॉ. ताराकान्तझा
- मैथिली लोकगीत: सं. रामइकबाल सिंह 'राकेश'
- लोक: सं. पीयूष दहिया
- लोक-साहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र
- लोक-साहित्य की भूमिका: धीरेन्द्र वर्मा
- लोक साहित्य का अध्ययन: त्रिलोचन पाण्डेय
- लोक साहित्य की भूमिका: कृष्णदेव उपाध्याय
- लोक साहित्य: सुरेश गौतम
- लोक नाट्य सांग कल और आज: पूर्णचंद शर्मा
- भारतीय लोक अवधारणाओं के आधार एवं स्वरूप: प्रताप सिंह चंदेल
- लोकगीत पाठ एवं विमर्श: सत्य प्रिय पांडेय
- लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य: श्याम सुंदर दुबे
- लोक साहित्य विमर्श: श्याम परमार
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति: दिनेश्वर प्रसाद
- लोक संस्कृति और प्रयोग: श्रीराम शर्मा
- भारतीय लोक साहित्य: श्याम परमार
- लोक-साहित्य के प्रतिमान: कुंदनलालउप्रेती
- साहित्य सिद्धांत: राम अवध द्विवेदी
- लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा: मनोहर शर्मा
- मानव और संस्कृति: श्यामाचरण
- परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति: श्यामाचरणदुबे
- लोक परम्परा, पहचान और प्रवाह: श्यामाचरणदुबे
- राजस्थान लोक संस्कृति और साहित्य: डी.आर. आहूजा
- भारत की लोक कथाएँ: ए.के. रामानुजन
- राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा: डॉ. जयसिंह नीरज
- राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास: गोपीनाथ शर्मा
- राजस्थानी लोक साहित्य: नानुरामसंस्कर्ता
- भारतीय लोक नाट्य वस्तु और शिल्प: देवीलालसामर
- सांस्कृतिक राजस्थान: लक्ष्मीकुमारीचुण्डावत

- लोक: पीयूष दईया

Paper Code: HIN-M-T-8-(E.2) हिंदी साहित्य और सिनेमा **6 Credit**

(60+15=75 Marks)

- सिनेमा की अवधारणा, सिनेमा का उद्भव और विकास।
- व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा– सामान्य परिचय।
- सिनेमा और साहित्य का अंतर्संबंध,
- कैमरा, दर्शक और स्क्रीन का संबंध, पटकथा और संवाद लेखन।
- समाज, संस्कृति और सिनेमा।
- नयी तकनीकी और सिनेमा: विशेष संदर्भ – मुगले आजम, पाकीजा, तीसरी कसम, सद्गति, दीवार और पीपली लाइव।

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रंथ सूची

- समय और सिनेमा : विनोद भारद्वाज
- हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
- हिंदी सिनेमा में बदलते यथार्थ की अभिव्यक्ति : जवरीमल्ल पारख
- भारतीय सिने सिद्धांत : अनुपम ओझा
- सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा
- सारा आकाश पटकथा : राजेंद्र यादव और बासु चटर्जी
- साहित्य, समाज और सिनेमा : सं – हिमांशु
- Filmography : Rajat Roy
- नया सिनेमा : विनोद भारद्वाज
- भारतीय नया सिनेमा : सुरेन्द्र नाथ तिवारी
- मीडिया और साहित्य : सुधीश पचौरी
- हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र : जवरीमल्ल पारख
- हॉलीवुड बॉलीवुड : अनवर जमाल, सैबल चटर्जी

- सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार
- The Cinemas of India : Yues Throaval
- पटकथा का सच : प्रभुनाथ सिंह आजमी

पत्रिकाएं –

- नया पथ, वर्ष 27, जनवरी – जून 2013
- वर्तमान साहित्य, वर्ष 19, अगस्त – दिसंबर 2002

Paper Code:HIN-M-T-8-(E.3)पर्यावरण और साहित्य 6 Credit

(60+15=75 Marks)

I. पर्यावरण : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और महत्व।पर्यावरण संरक्षण।

II. पर्यावरण और पारिस्थितिकी : अन्तः सम्बन्ध। इको-जस्टिस और इकोफेमिनिज्म की अवधारणा।

III. हिन्दी साहित्य और पर्यावरण का अंतः सम्बन्ध ।

IV. कविता

1) नंदा देवी-6 – अज्ञेय
2) सतपुड़ा के जंगल – भवानी प्रसाद मिश्र
3) कुआनो नदी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
4) पानी की प्रार्थना - केदारनाथ सिंह
5) एक वृक्ष भी बचा रहे – नरेश सक्सेना
6) पानी की आवाज – राजेश जोशी
7) घटती हुई ऑक्सीजन–मंगलेशडबराल
8) झारखंड के पहाड़ों का अरण्य रोदन–ज्ञानेन्द्रपति
9) परिंदे – स्वप्निल श्रीवास्तव
10) दुःस्वप्न में पृथ्वी – एकांत श्रीवास्तव

V. कहानी

1) एक नदी तड़पती है – एस. आर. हरनोट
2) भ्रम के बाहर – प्रदीप जिलवाने
3) खारा पानी – जयश्री रॉय

4) कजरी और एक जंगल – डॉ. रश्मि भार्गव

5) प्रेत छाया – मुरारी शर्मा

6) जंगल में आतंक –हरिराम मीणा

7) वृक्ष दधीचि - मेहता नगेन्द्र सिंह

8) जंगल –काशीनाथ सिंह

9) एक पेड़ की मौत- अलका सरावगी

10) पानी- मनोज कुमार पाण्डेय

VI. उपन्यास

- मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ – महुआ माजी

अंक विभाजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न(10 out of 15) :10X2=20

लघुत्तरीय प्रश्न अथवा टिप्पणी(4out of 6): 4X5=20

आलोचनात्मक प्रश्न (2out of 4):2X10= 20

सहायक ग्रन्थ सूची

- पर्यावरण और हिन्दी साहित्य : डॉ. प्रभाकर देब्वार इल्लत
- साहित्य में पर्यावरण एवं विमर्श : डॉ. घनश्याम भारती
- हिन्दी का पर्यावरणीय साहित्य : डॉ. प्रभाकर देब्वार इल्लत
- आधुनिक जीवन और पर्यावरण : दामोदर शर्मा, हरिचंद व्यास
- पर्यावरण विज्ञान : डॉ. विजय कुमार त्रिपाठी